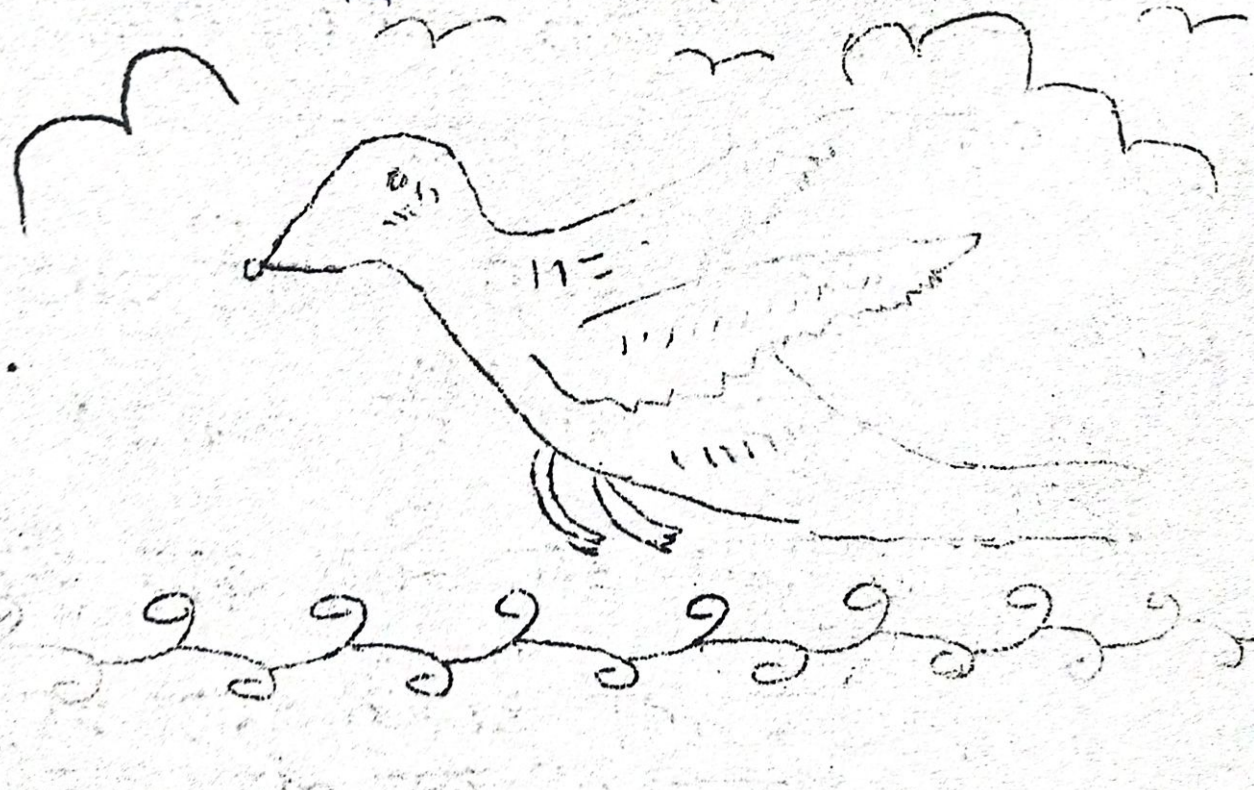
मेहनती चिरई



एक चिरई ह उड़त-उड़त जात रिहिस।
ओला एक ठन चना मिलिस।
चिरई हा आधा चना ला खाइस अउ
आधा ला आपन लइका बर धरिस
त चना ह ओकर चोंच ले छूट गीस
अउ खटिया के चिराय खुरा मा
घूस गीस।
चिरई हा अड़बड़ निकाले के कोशिश
करिस फेर नइ निकाल सकीस



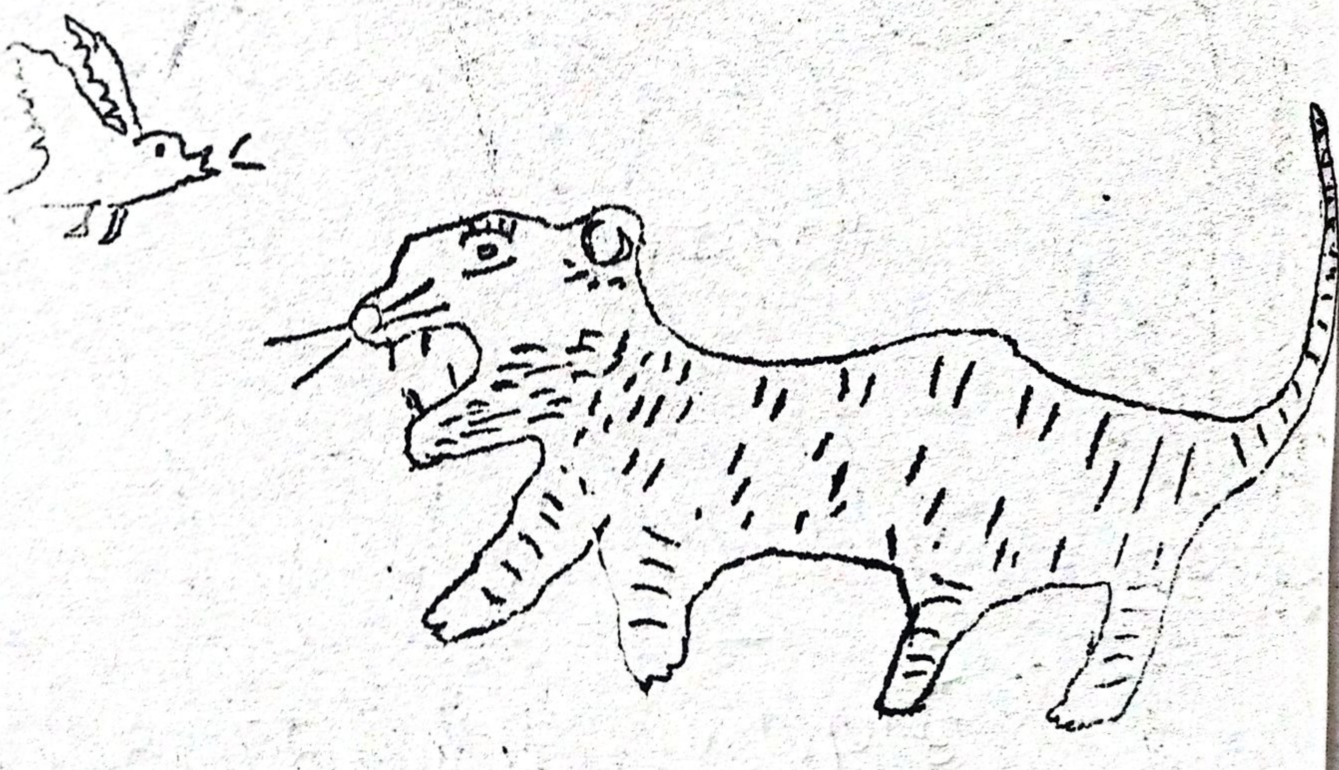
3)



त उही करा एक झन
बढ़ई बइठे रहाय तेकर
करा जाके कहे -

बढ़ई बबा. बढ़ई बबा।
खुरा ला ते चीर।
खुरा मा मोर दार फंसे हे।
दार ला धरके उड़ जाहूं
अपन लइका ला खवाहूं।

बढ़ई चिरई ला भगादीस
तो शेर मिलथे त शेर करा जाके
कथे -
शेर राजा शेर राजा
बढ़ई ला डरवा।
बढ़ई खुरा ला चीरत नइये,
खुरा मा मोर दार फंसे हे,
दार ला धरके उड़ जाहूं,
अपन लइका ला खवाहूं।
हा चिरई ला भगा देथे।



चिरई हा उड़त - उड़त
हाथी करा गीस अऊ कहे -
हाथी भइया हाथी भइया
शेर ला डरवा
शेर बढ़ई ला डरवावत नइये
बढ़ई खुरा ला चीरत नइये
खुरा मा मोर दार फंसे हे
दार ला धरके उड़ जाहूं
अपन लइका ला खवाहूं।
हाथी हा चिरई ला भगा देथे।



चिरई हा उदास होगे अऊ सोचे ला लागिस

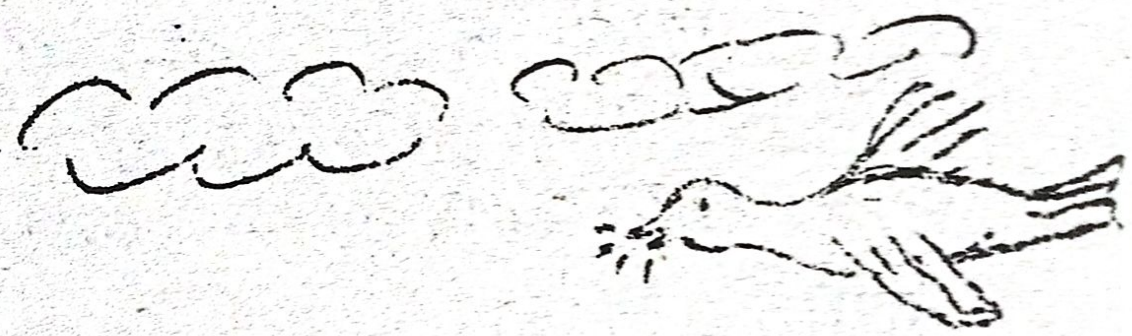
कइसे करके दार ला निकालों!

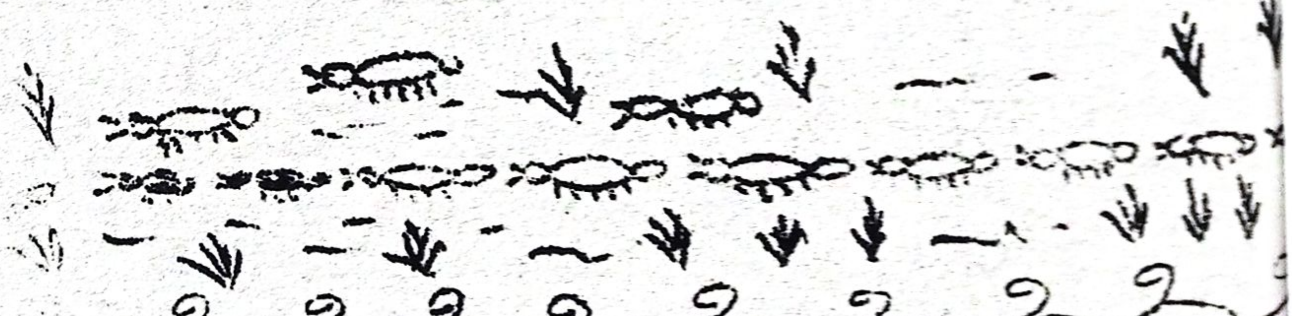
बढ़ई ला कहेंव, शेर ला कहेंव, हाथी ला कहें

कोन्हों मोर बात ला नइ सुनिस।

अइसने सोंचत-सोंचत उड़त रहाय।

चिरई हा थक के रुख मा बइठ





त चिरई ला रुख मा चांटी
दिखिस।
त चिरई हा कथे -
चांटी बहिनी, चांटी बहिनी
हाथी ला ते चाब
हाथी शेर ला डरावत नइये
शेर बढ़ई ला डरावत नइये
बढ़ई रखुरा ला चीरत नइये
रखुरा मे मोर दार फसे है
दार ला धरके उड़ जाहूं
अपन लइका ला खवाहू।



चाँटी हा कथे रुके झन भई जांव।
चिरई हा कथै चल भय जाथो।

चाँटी ला आवत देख हाथी हा
शेर कोती भागथे अऊ शेर हा हाथी
ला देखके बढ़ई कोती दउड़थे।
शेर ला बढ़ई अपन कोती आवत
देख खुरा ला बसुला मा चरि
देथे अऊ चिरई हा अपन दाना
धरके उड़ जाथे।



रूपान्तर
सूर्या अपार्टमेन्ट
कटोरा तालाब
रायपुर



उमा जी को सप्रेम भेंट

— [illegible]